"राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025" पर बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम पर रिपोर्ट

28 फरवरी, 2025

उद्देश्य:

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), आवेदन प्रक्रिया और उल्लंघन से संबंधित प्रमुख पहलुओं के बारे में शिक्षित करना था।

एनएआईएफ-आईटीएमयू और शैक्षणिक अनुभाग द्वारा 28 फरवरी, 2025 को वर्चुअल मोड में आधे दिन का बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सत्र में छात्रों और शिक्षकों को बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत आवेदन करने की प्रक्रिया और उल्लंघन-प्रक्रियाओं के बारे में हिंदी में बहुमूल्य जानकारी दी गई।

डॉ. अपर्णा चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक और अधिष्ठाता (शैक्षणिक अनुभाग) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और श्री कुमार राजू, सहायक नियंत्रक (पेटेंट और डिजाइन), आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर का परिचय कराया। उन्होंने भारत में बौद्धिक संपदा कानूनों और उनके कार्यान्वयन के बारे में विस्तार से बताया और छात्रों के लिए उनके महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री कुमार राजू ने बौद्धिक संपदा ऑडिट, लाइसेंस प्राप्त करने संबंधी रणनीतियों और व्यावसायीकरण पर जानकारी साझा की और इसके वास्तविक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया। अलका वर्मा, वरिष्ठ पेटेंट अटॉर्नी (आर.के. देवन एंड कंपनी) ने बौद्धिक संपदा अधिकार: आवेदन प्रक्रिया और उल्लंघन पर एक सत्र आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी शामिल था, जहाँ एडवोकेट वर्मा ने शोध और उद्यमिता में बौद्धिक संपदा से संबंधित प्रश्नों को जवाब दिया। इस कार्यक्रम में 84 छात्रों ने भाग लिया।

डॉ. एस.पी. शुक्ला (आईटीएमयू के प्रभारी अधिकारी) ने अपने समापन भाषण में छात्रों के अनुसंधान के माध्यम से विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। शोध के दौरान निकले निष्कर्षों का गंभीर विश्लेषण छात्रों के शोध से उत्पन्न बौद्धिक संपदा अधिकार को समय पर सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. गौरी एम.एच. (शोध सहयोगी) ने वक्ताओं, छात्रों, शिक्षकों और आईटीएमयू टीम को धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन किया। इस पहल ने नवाचार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और हितधारकों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के आवश्यक ज्ञान से लैस करने की सीआईएफई की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

Report on

IP Sensitization Programme on

"National Science Day 2025"

On

28th February, 2025

Objective:

The program aimed to educate students on **Intellectual Property Rights (IPR), the application process, and infringement-related key aspects**.

A **half-day IP sensitization program in a virtual mode** on **February 28, 2025**, organized by **NAIF-ITMU and the Academic Cell**. The session provided valuable insights into **IP filing and infringement procedures** (in Hindi) for students and faculty.

Dr. Aparna Chaudhari, **Principal Scientist & Dean (Academic Cell)**, welcomed the participants and introduced **Mr. Kumar Raju**, Assistant Controller of Patents & Designs (RGNIIPM, Nagpur). He elaborated on **Intellectual Property Laws and Their Implementation in India**, highlighting their significance for students.

Mr. Kumar Raju, shared insights on **IP audits, licensing strategies, and commercialization**, demonstrating real-world applications. **Adv. Alka Varma**, Senior Patent Attorney (R.K. Dewan & Co.), conducted a session on **Intellectual Property Rights: Application Process and Infringement**.

With **84 students participating**, the event included an interactive Q&A session where **Adv. Varma** addressed queries on **IP in research and entrepreneurship**.

Dr. S.P. Shukla (Officer incharge , ITMU) in his concluding remarks emphasized the need of obtaining IPRs for the technologies and products developed through student research. A critical analysis of the observations and findings during research is therefore vital for timely protection of IPRs arising from the students research.

Dr. Gauri M.H. (Research Associate) concluded the session with a **vote of thanks**, acknowledging the speakers, students, faculty, and the **ITMU team**. The initiative reinforced **CIFE's commitment to fostering an innovation-driven ecosystem** and equipping stakeholders with essential knowledge of **Intellectual Property Rights**.

ICAR-CIFE

ICAR-CIFE
Mumbai